

प्रेषक,

आनन्द बर्द्धन,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 04 नवम्बर 2015

विषय : वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुपूरक के माध्यम से प्राप्त धनराशि को अधिष्ठान हेतु वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों में धनावंटन विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 4083/मुअवि/बजट/श्री0-1 सामान्य दिनांक 20.11.2015 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्त विभाग के शासनादेश सं० 400/XXVII(1)/2015, दि०-01.04.2015 एवं शासनादेश संख्या 1333/XXVII(1)/2015, दिनांक 17 नवम्बर, 2015 में निर्गत दिशा-निर्देशानुसार चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में आयोजनेत्तर पक्ष के अधिष्ठान मद के अन्तर्गत वचनबद्ध/अवनबद्ध मदों में संलग्नक-1 में उक्त विवरणानुसार कुल धनराशि ₹41.00 लाख (₹ इकतालिस लाख मात्र) वर्णित अनुदान/लेखाशीर्षकों के अन्तर्गत निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर किशतों में वास्तविक व्यय आवश्यकता के अनुरूप ही किया जायेगा एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न अधिक व्ययभार सृजित किया जायेगा। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि मजदूरी तथा व्यवसायिक सेवाओं के लिये भुगतान मदों के अन्तर्गत आउटसोर्सिंग से कार्मिकों की संख्या सम्बन्धित ईकाई में एककक्ष स्तर के स्वीकृत परन्तु रिक्त पदों की अधिकतम सीमा अन्तर्गत अथवा वित्त विभाग की पूर्व सहमति से स्वीकृत सीमा, इनमें से जो भी कम हो, के अन्तर्गत ही रहेगी।
- (ii) अवचनबद्ध मदों के सम्बन्ध में प्रत्येक दशा व प्रकरण में मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाये और यह सुनिश्चित किया जाये कि वर्ष के प्रारम्भ में ही प्रत्येक मद के सम्बन्ध में मितव्ययता हेतु स्पष्ट योजना बनायी जाये और तदनुसार प्रत्येक मद के सम्बन्ध में प्राविधानित आवंटित धनराशि के सापेक्ष बचत का लक्ष्य पूर्व में ही निर्धारित कर बचत सुनिश्चित की जाये। इस हेतु उदाहरणार्थ फर्नीचर, साज-सज्जा उपकरण कय, विद्युत प्रभार, स्टेशनरी/कम्प्यूटर स्टेशनरी, पेट्रोल/डीजल आदि विभिन्न मदों में आसानी से बचत की योजना बनायी एवं क्रियान्वित की जा सकती है, जैसे कच्चे कागज हेतु एक ओर उपयोग किये जा चुके कागज का प्रयोग किया जाना, आवश्यकता अनुरूप पर्याप्त मात्रा में पूर्व से फर्नीचर होते हुये बार-बार फर्नीचर कय से बचना, विद्युत उपकरणों का अनावश्यक उपयोग रोकना, लम्बी यात्राओं हेतु सार्वजनिक यातायात साधनों का प्रयोग करना, गाड़ी का अनावश्यक प्रयोग रोकना आदि कदम उठाये जायें।
- (iii) उक्त स्वीकृति के अधीन आहरण एवं व्यय से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 सुसंगत प्राविधानों, वित्तीय नियमों एवं मितव्ययता सम्बन्धी समस्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
- (iv) स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन कदापि न किया जाये। प्राविधानों एवं नियमों का अनुपालन न करने तथा स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन करने पर सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।

- (v) स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष प्रतिमाह व्यय की सूचना निर्धारित अपत्रों पर वित्त विभाग, महालेखाकार एवं शासन को ससमय उपलब्ध करायी जाय।
- (vi) किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5, भाग-1 (लेखानियम आय-व्यय सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- (vii) धनराशि का आहरण/व्यय आवश्यकतानुसार एवं मितव्ययता को ध्यान में रखकर किस्तों में किया जाय।
- (viii) धनराशि आहरण वितरण अधिकारी को कम्प्यूटर आवंटन सं० S दिनांक से आवंटित की जा रही है। धनराशि के उपयोग हेतु शासनादेश सं० 400/XXVII(1)/2015, दि०-01.04.2015 के द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-20 के लेखाशीर्षक 2700-मुख्य सिंचाई 001- निदेशन तथा प्रशासन-03-निदेशन तथा प्रशासन के अन्तर्गत संलग्नक-1 में वर्णित शीर्षकों की प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
4. उक्त स्वीकृति वित्त विभाग के शासनादेश सं०-400/XXVII(1)/2015, दि०-01 अप्रैल, 2015 एवं 1336/XXVII(1)/2015, दिनांक 17 नवम्बर, 2015 में दिये गये निर्देशों के अनुसार जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्न : यथोक्त।

भवदीय,

आनन्द बर्द्धन)
सचिव।

संख्या 2966 (1)/II-2015-03(09)/2015, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, बाजार, देहरादून।
3. निजी सचिव, सिंचाई मंत्री जी को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमाँऊ मण्डल, नैनीताल।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. वित्त विभाग (वित्त अनुभाग-2), उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड 23 लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
9. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त।

आज्ञा से,

केशन नाथ)
पर सचिव।

शासनादेश संख्या 2966 (1)/11-2015-03(09)/2015, दिनांक नवम्बर, 2015 का संलग्नक।

धनराशि लाख रु० में

क्र. सं.	संख्या-20	वित्तीय वर्ष 2015-16 हेतु मूल प्राविधानित बजट प्राविधान	प्रथम अनुपूरक में अनुमोदित बजट प्राविधान	कुल योग बजट प्राविधान	अवशेष प्राविधान	अवमुक्त की जा रही धनराशि
	राजस्व लेखा -					
क	20/2700-मुख्य सिंचाई					
	001-निर्देशन तथा प्रशासन					
	03-निर्देशन					
1	01-वेतन	1250.00	30.00	1280.00	30.00	30.00
2	05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	3.50	0.50	4.00	0.50	0.50
3	08-कार्यालय व्यय	10.00	0.50	10.50	0.50	0.50
4	09-विद्युत देय	5.50	1.00	6.50	1.00	1.00
5	11-लेखन सामग्री और फर्मों की छपाई	3.50	1.00	4.50	1.00	1.00
6	13-टेलीफोन पर व्यय	4.50	1.00	5.50	1.00	1.00
7	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	13.00	4.00	17.00	4.00	4.00
8	19-विज्ञापन, बिक्री और विख्यापन व्यय	1.50	1.00	2.50	1.00	1.00
9	26-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	3.50	1.00	4.50	1.00	1.00
10	27-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	1.50	1.00	2.50	1.00	1.00
	योग 2700	1296.50	41.00	1337.50	41.00	41.00

(रु० इतना लिख लाख मात्र)

(*फिशन नाथ*)
उपर सचिव